The Tiger King

1. Introduction of the Story and the King’s Birth

The story *“The Tiger King”* by Kalki is a satire on the arrogance and foolishness of those in power. It tells the story of a brave but proud king, *Maharaja of Pratibandapuram*, who tried to challenge his fate. When the king was born, astrologers predicted that one day he would die because of a tiger. Everyone was shocked and worried after hearing this.

कथाकार कल्कि द्वारा लिखी गई कहानी *“द टाइगर किंग”* एक व्यंग्य है जो सत्ता में बैठे लोगों के अहंकार और मूर्खता को दिखाती है। यह कहानी प्रतिबंधपुरम के एक बहादुर लेकिन अभिमानी राजा की है, जिसने अपने भाग्य को चुनौती देने की कोशिश की। जब राजा का जन्म हुआ, तो ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि एक दिन उसकी मृत्यु एक बाघ के कारण होगी। यह सुनकर सब लोग बहुत हैरान और चिंतित हो गए।

2. The Prince’s Early Life

The little prince was named *Jung Bahadur*. As he grew up, he showed signs of great courage and fearlessness. When he was just ten days old, he started speaking, which shocked everyone. He asked the astrologers why they said he would die by a tiger. The wise astrologer replied that the prediction was true but the prince might kill ninety-nine tigers safely; however, the hundredth tiger would cause his death.

राजकुमार का नाम *जंग बहादुर* रखा गया। जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ, उसने साहस और निर्भीकता के लक्षण दिखाए। जब वह केवल दस दिन का था, तब उसने बोलना शुरू कर दिया, जिससे सब लोग हैरान रह गए। उसने ज्योतिषियों से पूछा कि उन्होंने क्यों कहा कि उसकी मृत्यु बाघ से होगी। एक बुद्धिमान ज्योतिषी ने कहा कि भविष्यवाणी सही है, परंतु वह निन्यानवे बाघों को तो मार सकता है, लेकिन सौवाँ बाघ उसकी मृत्यु का कारण बनेगा।

3. The King’s Determination to Defeat Fate

As soon as the prince grew up and became the Maharaja, he decided to prove the astrologers wrong. He announced that he would kill one hundred tigers to protect himself from death. He began hunting tigers regularly and became known as *The Tiger King*. He killed the first tiger with great pride and asked the astrologer to see if the prediction still stood. The astrologer said he would be safe only after killing one hundred tigers.

जैसे ही राजकुमार बड़ा हुआ और महाराजा बना, उसने तय किया कि वह ज्योतिषियों की भविष्यवाणी को गलत साबित करेगा। उसने घोषणा की कि वह अपनी मृत्यु से बचने के लिए सौ बाघों को मारेगा। उसने नियमित रूप से बाघों का शिकार करना शुरू किया और *टाइगर किंग* के नाम से प्रसिद्ध हो गया। उसने पहला बाघ गर्व के साथ मारा और ज्योतिषी से पूछा कि अब भविष्यवाणी क्या कहती है। ज्योतिषी ने कहा कि जब वह सौ बाघ मार लेगा, तभी वह सुरक्षित रहेगा।

4. The Beginning of the Tiger Hunt

The king began hunting with great excitement. He killed many tigers in the forests of his kingdom. Because of his constant hunting, the number of tigers in his state decreased rapidly. Soon, no tiger was left in Pratibandapuram. The king became restless because his goal was not yet complete.

MGGS Bhuwakhedi

राजा ने बहुत उत्साह के साथ शिकार शुरू किया। उसने अपने राज्य के जंगलों में कई बाघों को मारा। लगातार शिकार के कारण राज्य में बाघों की संख्या तेजी से घट गई। जल्द ही प्रतिबंधपुरम में कोई बाघ नहीं बचा। राजा बेचैन हो गया क्योंकि उसका लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ था।

5. The King Marries to Continue the Hunt

To complete his count of one hundred tigers, the king decided to marry a princess from a state where many tigers still lived. After marriage, he went to his father-in-law's kingdom and started killing tigers there. Every time he visited, he killed five or six tigers and brought the total number closer to one hundred.

सौ बाघों की गिनती पूरी करने के लिए राजा ने उस राज्य की राजकुमारी से विवाह करने का निश्चय किया, जहाँ अभी भी बहुत से बाघ थे। विवाह के बाद वह अपने ससुर के राज्य में गया और वहाँ बाघों को मारने लगा। हर बार वहाँ जाकर वह पाँच-छह बाघों को मारता और अपनी कुल संख्या को सौ के करीब लाता गया।

6. The King's Pride and Cruelty

The king became very proud of his success. He thought no one was as brave as him. He punished anyone who tried to stop him. Once, a British officer wanted to hunt a tiger, but the king refused because he wanted the honor of killing all tigers himself. To please the officer, he sent him many expensive gifts, and the British government forgave him.

राजा अपनी सफलता पर बहुत गर्व महसूस करने लगा। उसे लगा कि उसके जैसा बहादुर कोई नहीं है। जो भी उसे रोकने की कोशिश करता, उसे वह दंड देता। एक बार एक अंग्रेज अधिकारी ने बाघ का शिकार करने की इच्छा जताई, पर राजा ने मना कर दिया क्योंकि वह चाहता था कि सभी बाघों का शिकार वही करे। अधिकारी को खुश करने के लिए उसने उसे बहुत सारे कीमती उपहार दिए, और अंग्रेज सरकार ने उसे माफ कर दिया।

7. The Last Few Tigers

After years of hunting, the king had killed ninety-nine tigers. Only one more was left to complete the prophecy. But no tiger could be found anywhere. The king became angry and ordered his men to search every forest in the state. His ministers feared his anger.

कई वर्षों तक शिकार करने के बाद राजा ने निन्यानवे बाघों को मार डाला। केवल एक बाघ और बचा था जिससे भविष्यवाणी पूरी हो सकती थी। लेकिन अब कहीं भी बाघ नहीं मिल रहा था। राजा क्रोधित हो गया और अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे पूरे राज्य के जंगलों में खोज करें। मंत्री उसके क्रोध से बहुत डरते थे।

8. The Hundredth Tiger

One day, news came that a tiger had entered a nearby village. The king immediately went there with his soldiers. He saw the tiger and fired at it. The tiger fell down, and the king proudly believed that he had killed the hundredth tiger. He returned happily to his palace. However, the bullet had missed. The tiger was not dead. The hunters did not dare to tell the king the truth, so one of them secretly killed the tiger after the king left.

एक दिन खबर आई कि पास के गाँव में एक बाघ देखा गया है। राजा तुरंत अपने सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा। उसने बाघ को देखा और उस पर गोली चला दी। बाघ गिर पड़ा और राजा को लगा कि उसने सौवाँ बाघ मार दिया। वह गर्व से भरा

MGS Bhiwakhedi

हुआ महल लौट आया। लेकिन असल में गोली चूक गई थी और बाघ मरा नहीं था। सैनिक राजा को सच बताने से डर गए, इसलिए उसके जाने के बाद उन्होंने चुपचाप बाघ को मार दिया।

9. The Irony of Fate

A few days later, the king's third birthday celebration of his son was held. The Maharaja bought a wooden toy tiger for his son as a gift. The toy looked rough and poorly made, but the king wanted to play with it anyway. While playing, a small wooden splinter from the toy pierced his right hand. At first, he ignored it, but soon the wound became infected and caused a serious infection.

कुछ दिन बाद राजा के पुत्र का तीसरा जन्मदिन मनाया गया। महाराजा ने अपने बेटे के लिए उपहार के रूप में एक लकड़ी का खिलौना बाघ खरीदा। वह खिलौना बहुत खराब बना था, पर राजा फिर भी उसके साथ खेलने लगा। खेलते समय लकड़ी का एक छोटा टुकड़ा उसके दाएँ हाथ में चुभ गया। शुरू में उसने ध्यान नहीं दिया, लेकिन जल्द ही घाव में संक्रमण हो गया और उसकी हालत गंभीर हो गई।

10. The Death of the Tiger King

Doctors from all over the country were called, but no one could save the Maharaja. The infection spread quickly, and the king died. Thus, the hundredth tiger—the wooden toy tiger—actually caused his death. The astrologer's prediction came true, though in a very unexpected way.

देश भर से डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन कोई भी महाराजा को बचा नहीं सका। संक्रमण तेजी से फैल गया और राजा की मृत्यु हो गई। इस तरह, सौवाँ बाघ वास्तव में वह लकड़ी का खिलौना बाघ निकला, जिसने उसकी मृत्यु का कारण बना। ज्योतिषी की भविष्यवाणी सही साबित हुई, हालांकि एक बहुत ही अप्रत्याशित तरीके से।

11. Moral and Message of the Story

The story shows the foolishness of human pride and the power of fate. The Tiger King tried to escape his destiny by killing tigers, but he could not change his fate. It also criticizes the cruelty of kings and rulers who destroy nature and animals for their ego and pleasure. Kalki uses humor and irony to show how power can make people blind and foolish.

यह कहानी मानव के अभिमान और भाग्य की शक्ति को दिखाती है। टाइगर किंग ने अपने भाग्य से बचने के लिए सौ बाघों को मारने की कोशिश की, लेकिन वह भाग्य को नहीं बदल सका। यह कहानी उन शासकों की क्रूरता की भी आलोचना करती है जो अपने अहंकार और आनंद के लिए प्रकृति और जानवरों को नष्ट कर देते हैं। लेखक कल्कि ने हास्य और व्यंग्य का उपयोग कर दिखाया है कि सत्ता कैसे व्यक्ति को अंधा और मूर्ख बना देती है।

12. Conclusion

In the end, *The Tiger King* is not just a story about hunting tigers—it is a story about human arrogance, fate, and irony. The king thought he was stronger than destiny, but his death proved that no one can escape fate. Kalki beautifully combines humor, irony, and a message of humility through this unforgettable tale.

अंत में, *टाइगर किंग* केवल बाघों के शिकार की कहानी नहीं है — यह मानव अहंकार, भाग्य और विडंबना की कहानी है। राजा ने सोचा कि वह भाग्य से भी शक्तिशाली है, पर उसकी मृत्यु ने सिद्ध कर दिया कि कोई भी भाग्य से नहीं बच सकता। कल्कि ने इस अविस्मरणीय कहानी में हास्य, व्यंग्य और विनम्रता का सुंदर मिश्रण प्रस्तुत किया है।

MGS Bhuwaneti

:: Short Answer type Questions ::

1. Who is the Tiger King?

Answer: The Tiger King is the Maharaja of Pratibandapuram, whose real name is Jung Bahadur.

प्रश्न: टाइगर किंग कौन था?

उत्तर: टाइगर किंग प्रतिबंधपुरम का महाराजा था, जिसका असली नाम जंग बहादुर था।

---

2. What did the astrologers predict about the Tiger King?

Answer: The astrologers predicted that the Tiger King would die because of a tiger.

प्रश्न: ज्योतिषियों ने टाइगर किंग के बारे में क्या भविष्यवाणी की थी?

उत्तर: ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की थी कि टाइगर किंग की मृत्यु एक बाघ के कारण होगी।

---

3. What did the prince do when he was just ten days old?

Answer: When he was ten days old, the prince spoke and asked the astrologers about his death.

प्रश्न: जब राजकुमार केवल दस दिन का था, तब उसने क्या किया?

उत्तर: जब वह दस दिन का था, तब उसने बोलना शुरू किया और ज्योतिषियों से अपनी मृत्यु के बारे में पूछा।

---

4. What was the Tiger King's main aim in life?

Answer: His main aim in life was to kill one hundred tigers to prove the astrologers wrong.

प्रश्न: टाइगर किंग का जीवन में मुख्य उद्देश्य क्या था?

उत्तर: उसका मुख्य उद्देश्य सौ बाघों को मारकर ज्योतिषियों की भविष्यवाणी को गलत साबित करना था।

---

5. Why did the Maharaja ban tiger hunting by others in his state?

Answer: He banned tiger hunting because he wanted to kill all the tigers himself to complete his target of one hundred.

प्रश्न: महाराजा ने अपने राज्य में दूसरों को बाघ का शिकार करने से क्यों रोका?

उत्तर: उसने दूसरों को रोका क्योंकि वह सभी बाघों को खुद मारकर सौ की गिनती पूरी करना चाहता था।

---

6. Why did the Maharaja marry a princess from another state?

Answer: He married a princess from a state where there were many tigers so he could continue hunting them.

प्रश्न: महाराजा ने दूसरे राज्य की राजकुमारी से विवाह क्यों किया?

उत्तर: उसने उस राज्य की राजकुमारी से विवाह किया जहाँ बहुत सारे बाघ थे ताकि वह उनका शिकार जारी रख सके।

---

7. How did the king handle the British officer's demand to hunt tigers?

Answer: The king refused to allow the officer to hunt but sent many expensive gifts to please him.

प्रश्न: राजा ने अंग्रेज अधिकारी की बाघ शिकार की माँग को कैसे संभाला?

उत्तर: राजा ने अधिकारी को शिकार करने की अनुमति नहीं दी, पर उसे खुश करने के लिए कई कीमती उपहार भेजे।

MGGS Bhuwakhedi

8. What happened when the king tried to shoot the hundredth tiger?

Answer: The king missed his shot, and the tiger did not die. Later, the hunters killed it secretly.

प्रश्न: जब राजा ने सौवाँ बाघ मारने की कोशिश की, तब क्या हुआ?

उत्तर: राजा की गोली चूक गई और बाघ नहीं मरा। बाद में शिकारीयों ने उसे चुपचाप मार दिया।

---

9. How did the Tiger King die in the end?

Answer: He died because a small wooden splinter from a toy tiger pierced his hand and caused an infection.

प्रश्न: अंत में टाइगर किंग की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर: एक लकड़ी के खिलौना बाघ का छोटा टुकड़ा उसके हाथ में चुभ गया जिससे संक्रमण हुआ और उसकी मृत्यु हो गई।

---

10. What message does the story convey?

Answer: The story teaches that pride and arrogance lead to destruction and that no one can escape fate.

प्रश्न: यह कहानी क्या संदेश देती है?

उत्तर: यह कहानी सिखाती है कि अहंकार और घमंड विनाश का कारण बनते हैं और कोई भी अपने भाग्य से नहीं बच सकता।

:: Long Answer type Questions ::

1. Describe the main theme of the story "The Tiger King."

Answer (English): The story *"The Tiger King"* is a satire on human pride and the foolishness of those in power. The Maharaja of Pratibandapuram tries to challenge fate after hearing a prophecy that he will die because of a tiger. To prove the astrologers wrong, he decides to kill one hundred tigers. He kills ninety-nine tigers but dies because of a wooden toy tiger.

The story shows the irony of fate — that no one can escape destiny. It also criticizes the cruelty of rulers who destroy nature and animals for their ego. Kalki uses humor, irony, and satire to teach the lesson that power and pride always lead to downfall.

कहानी *"द टाइगर किंग"* मानव के अहंकार और सत्ता में बैठे लोगों की मूर्खता पर एक व्यंग्य है। प्रतिबंधपुरम का महाराजा भाग्य को चुनौती देने की कोशिश करता है, जब उसे ज्योतिषी बताते हैं कि उसकी मृत्यु एक बाघ के कारण होगी। ज्योतिषियों को गलत साबित करने के लिए वह सौ बाघों को मारने का निश्चय करता है। वह निन्यानवे बाघों को तो मार देता है, लेकिन एक लकड़ी के खिलौना बाघ के कारण मर जाता है।

यह कहानी भाग्य की विडंबना को दर्शाती है कि कोई भी अपने भाग्य से नहीं बच सकता। यह उन शासकों की क्रूरता की भी आलोचना करती है जो अपने अहंकार के कारण प्रकृति और जानवरों को नष्ट करते हैं। कल्कि ने हास्य और व्यंग्य के माध्यम से यह सिखाया है कि शक्ति और अभिमान अंततः विनाश का कारण बनते हैं।

MGS Bhuwakhedi

2. How did the Tiger King try to prove the astrologers wrong? What was the result?

Answer (English): When the astrologers predicted that the prince would die because of a tiger, the young Maharaja decided to prove them wrong. As soon as he became king, he started hunting tigers. He killed many tigers in his state and then in his father-in-law's state. His only goal in life became to kill one hundred tigers.

He was full of pride after killing ninety-nine tigers. When he tried to kill the hundredth tiger, he missed the shot, but he believed he had succeeded. Later, he died because of a small wound from a wooden toy tiger. Thus, he could not escape fate, and the astrologers' prediction came true in an unexpected way.

जब ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि राजकुमार की मृत्यु एक बाघ के कारण होगी, तो युवा महाराजा ने उसे गलत साबित करने का निश्चय किया। जैसे ही वह राजा बना, उसने बाघों का शिकार शुरू कर दिया। उसने अपने राज्य और फिर अपने ससुराल के राज्य में कई बाघों को मारा। उसका जीवन का एकमात्र लक्ष्य सौ बाघों को मारना बन गया।

निन्यानवे बाघों को मारने के बाद वह बहुत घमंडी हो गया। जब उसने सौवाँ बाघ मारने की कोशिश की, तो उसकी गोली चूक गई, पर उसे लगा कि उसने बाघ को मार दिया है। बाद में एक लकड़ी के खिलौना बाघ के छोटे से कांटे से हुए घाव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। इस तरह वह अपने भाग्य से नहीं बच सका, और ज्योतिषियों की भविष्यवाणी अप्रत्याशित रूप से सही साबित हुई।

---

3. What kind of ruler was the Maharaja of Pratibandapuram? Describe his character.

Answer (English): The Maharaja of Pratibandapuram was brave, determined, and proud. He was also foolish, arrogant, and cruel. He was not afraid of anyone, not even death. He challenged fate by deciding to kill one hundred tigers. He had a strong will and confidence but lacked wisdom and compassion.

He cared more about his pride than about his people or nature. He killed tigers mercilessly and even punished people for small reasons. He bribed a British officer to protect his honor. In the end, his arrogance and pride led to his downfall. Thus, the Maharaja represents those rulers who misuse their power and ignore moral values.

प्रतिबंधपुरम का महाराजा साहसी, दृढ़निश्चयी और गर्वीला था। साथ ही वह मूर्ख, अहंकारी और क्रूर भी था। उसे किसी से डर नहीं था, यहाँ तक कि मृत्यु से भी नहीं। उसने सौ बाघों को मारने का निर्णय लेकर भाग्य को चुनौती दी। उसमें आत्मविश्वास तो था, लेकिन समझदारी और दया की कमी थी।

उसे अपने लोगों या प्रकृति से अधिक अपने अभिमान की चिंता थी। उसने निर्दयता से बाघों को मारा और छोटी-छोटी बातों पर लोगों को दंडित किया। उसने अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अंग्रेज अधिकारी को रिश्वत भी दी। अंततः उसका अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। इस प्रकार, महाराजा उन शासकों का प्रतीक है जो अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हैं और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा करते हैं।

MGGS Bhuwalkhedi

:: Multiple Choice Questions ::

1. Who is the author of "The Tiger King"?

A. R.K. Narayan **B. Kalki** C. Khushwant Singh D. Ruskin Bond

2. What was the real name of the Tiger King?

A. Sher Singh **B. Jung Bahadur** C. Amar Singh D. Ranvijay

3. What did the astrologers predict about the prince?

A. He would become a famous king **B. He would be killed by a tiger**

C. He would rule for 100 years D. He would die in a war

4. What did the prince do when he was just ten days old?

A. Cried loudly **B. Spoke to the astrologers** C. Started walking D. Played with toys

5. What was the king's main goal in life?

A. To become rich B. To marry a princess **C. To kill 100 tigers** D. To rule over India

6. Why did the Maharaja marry a princess from another state?

A. To get money B. To increase his power

C. Because there were many tigers in her state D. Because she was beautiful

7. What title did the king get after killing many tigers?

A. The Brave King B. The Great Warrior **C. The Tiger King** D. The Jungle Ruler

8. How did the Tiger King die?

A. He was killed by the 100th tiger B. He was poisoned

C. He died from an infection caused by a toy tiger D. He died in a war

9. What kind of story is "The Tiger King"?

A. Historical B. Tragic love story **C. Satirical and humorous** D. Mythological

10. What message does the story give?

A. Fate is stronger than man's power B. Money can buy happiness

C. Kings are always right D. Killing animals is bravery

MGGS Bhuwakhedi